Patrika (Indore), 23rd December 2020, Page-6

आइआइटी इंदौर में पब्लिक लेक्चर

'नीलामी के नए सिद्धांतों से मिलेगा अच्छा रेवेन्यू'

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

डॉ. जीवंत रामपाल

इंदौर ◆ ऑक्शन या नीलामी से आम आदमी किसी वस्तु की नीलामी ही मानता है, जबकि यदि हम इतिहास को देखें, तो प्राचीन काल से नीलामी की परंपरा चली आ रही है। किसी वस्तु से लेकर, हीरे–जवाहरात और रेडियो फ्रीक्वेंसी, स्पेक्ट्रम के लिए भी नीलामी होती है। नीलामी के नए सिद्धांतों से अच्छा रेवेन्यू मिलेगा। यह जानकारी आइआइटी इंदौर में पब्लिक लेक्चर ऑन नोबल प्राइज 2020 सीरीज के दूसरे दिन आइआइएम अहमदाबाद में इकोनॉमिक्स फैकल्टी डॉ. जीवंत रामपाल ने दी। वे 2020 में इकोनॉमिक्स साइंस में नोबल प्राइज वाले पॉल आर मिलग्रोम और रॉबर्ट बी विल्सन की ऑक्शन रिसर्च को लेकर चर्चा कर रहे थे। संचालन आइआइटी इंदौर के प्रो. डॉ. रघुनाथ साहू और कालिंदी प्रधान ने किया।

डॉ. रामपाल ने चर्चा के दौरान ऑक्शन के विभिन्न प्रकार और तरीकों की जानकारी भी दी। उन्होंने बताया, किस तरह से ऑक्शन में बोली लगाई जाती है और कितने प्रकार के ऑक्शन होते हैं। किस तरह से नीलामी से रेवेन्यू जनरेट होता है, यह जानकारी भी दी।